CLASS : 10th (Secondary) **1963/1913**

Series : Sec. M/2017

Total No. of Printed Pages : **8**

MARKING INSTRUCTIONS AND MODEL ANSWERS

ANIMAL HUSBANDRY

(Academic/Open)

(Only for Fresh Candidates)

उप - परीक्षक मूल्यांकन निर्देशों का ध्यानपूर्वक अवलोकन करके उत्तर-पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें। यदि परीक्षार्थी ने प्रश्न पूर्ण व सही हल किया है तो उसके पूर्ण अंक दें।

General Instructions :

(i) *Examiners are advised to go through the general as well as specific instructions before taking up evaluation of the answer-books.*

(ii) *Instructions given in the marking scheme are to be followed strictly so that there may be uniformity in evaluation.*

(iii) *Mistakes in the answers are to be underlined or encircled.*

(iv) *Examiners need not hesitate in awarding full marks to the examinee if the answer/s is/are absolutely correct.*

(v) *Examiners are requested to ensure that every answer is seriously and honestly gone through before it is awarded mark/s. It will ensure the authenticity as their evaluation and enhance the reputation of the Institution.*

(vi) *A question having parts is to be evaluated and awarded partwise.*

(vii) *If an examinee writes an acceptable answer which is not given in the marking scheme, he or she may be awarded marks only after consultation with the head-examiner.*

(viii) *If an examinee attempts an extra question, that answer deserving higher award should be retained and the other scored out.*

(ix) *Word limit wherever prescribed, if violated upto 10%. On both sides, may be ignored. If the violation exceeds 10%, 1 mark may be deducted.*

(x) *Head-examiners will approve the standard of marking of the examiners under them only after ensuring the non-violation of the instructions given in the marking scheme.*

(xi) *Head-examiners and examiners are once again requested and advised to ensure the authenticity of their evaluation by going through the answers seriously, sincerely and honestly. The advice, if not headed to, will bring a bad name to them and the Institution.*

महत्त्वपूर्ण निर्देश :

(i) *अंक-योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। अंक-योजना में दिए गए उत्तर-बिन्दु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं। यदि परीक्षार्थी ने इनसे भिन्न, किन्तु उपयुक्त उत्तर दिए हैं तो उसे उपयुक्त अंक दिए जाएँ।*

(ii) *शुद्ध सार्थक एवं सटीक उत्तरों को यथायोग्य अधिमान दिए जाएँ।*

(iii) *परीक्षार्थी द्वारा अपेक्षा के अनुरूप सही उत्तर लिखने पर उसे पूर्णांक दिए जाए।*

(iv) *वर्तनीगत अशुद्धियों एवं विषयांतर की स्थिति में अधिक अंक देकर प्रोत्साहित न करें।*

(v) *भाषा-क्षमता एवं अभिव्यक्ति-कौशल पर ध्यान दिया जाए।*

(vi) *मुख्य-परीक्षकों/उप-परीक्षकों को उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करने के लिए केवल Marking Instructions/ Guidelines दी जा रही हैं, यदि मूल्यांकन निर्देश में किसी प्रकार की त्रुटि हो, प्रश्न का उत्तर स्पष्ट न हो, मूल्यांकन निर्देश में दिए गए उत्तर से अलग कोई और भी उत्तर सही हो तो परीक्षक, मुख्य-परीक्षक से विचार-विमर्श करके उस प्रश्न का मूल्यांकन अपने विवेक अनुसार करें।*

नोट :* *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. एक प्रौढ़ गाय में 32 दांत होते हैं। 1

2. लैक्टोमीटर द्वारा दूध में पानी की मात्रा का परीक्षण किया जाता है। 1

3. एक दिन के चूज़ों के लिए 95°F ताप की जरूरत है। 1

4. कोक्सीडियोसिस रोग एक जीवाणु रोग है। 1

5. रानी खेत रोग की रोकथाम के लिए चूज़ों को पहले दिन एफ वन का टीका लगा देना चाहिए। 1

6. संकर प्रजनन में दो विभिन्न नस्लों की मादा और नर पशु का संगमन कराया जाता है। 1

7. भारत में कृत्रिम शुक्रसेचन का विकास इ़ज़्ज़तनगर (यू०पी०) में सन् 1942 में आरम्भ हुआ। 1

8. सीतला वेक्सीन का टीका गाय-भैंस को 4-6 महीने की आयु में लगाते हैं। 1

9. चेचक का रोग बकरी से अधिक भेड़ में होता है। 1

10. दूध एकत्रीकरण करने के बाद सप्लाई करने से पहले इसकी गुणवत्ता के लिए परख की जाती हैं कचरा, अम्लता, अथवा थनैला रोग से प्रभावित दूध के लिए अलग-अलग परीक्षण किए जाते हैं। यहाँ पर एकत्र दूध का पूर्ण मूल्य उसके अन्दर वसा तथा एस एन एफ के अनुसार मिलता है। 2

11. थोड़ा सा दूध एक टेस्ट ट्यूब में लेकर उसके बराबर की मात्रा की इथाइल अल्कोहल मिलाते हैं। खटास अधिक होगी तो दूध के थक्के बन जाते हैं और टेस्ट ट्यूब से चिपट जाते हैं। 2

12. (i) पशुशाला की सफाई का समुचित प्रबन्ध। 1

(ii) दस्त से पीड़ित पशु बच्चों की ओर तुरन्त ध्यान दें। 1

13. बढ़ने वाले पशुओं की मांसपेशियों, गर्भ में पलने वाले शिशुओं और दूध के बनने के लिए प्रोटीन की आवश्यकता है। 2

14. (i) भार कम होने लगता है। गलफड़ा पीला हो जाता है। कमजोरी आ घेरती है। 1

(ii) अण्डों का उत्पादन घट जाता है। 1

15. सोडियम फ्लोराइड के हल्के घोल से पक्षियों को नहला देना चाहिए। जिससे जूँए धराशायी हो जाती है। निकोटिन सल्फेट के घोल को अण्डों पर खूब अच्छी तरह छिड़कना। 2

16. सदस्यों के लिए ऋण की व्यवस्था करना, उर्वरक, बीज, कीटनाशक दवाओं, चारा उत्पादन की एवं प्रजनन तथा चिकित्सा सम्बन्धी सुविधाएँ उपलब्ध करवाना। उत्पादित दूध की बिक्री की व्यवस्था करना। 2

17. पशु को तेज ज्वर, मुँह में लार, कम चारा खाना, कम दूध उत्पादन, मुँह के अन्दर तथा खुरों के बीच छाले हो जाते हैं। पशु चलने में असमर्थ होकर लंगड़ा कर चलता है। 2

18. चीचड़ रहित रखने के लिए गेमेक्सीन, क्रियोजोट तेल, हैक्सीकेन का प्रयोग किया जाना चाहिए। पूर्ण सुरक्षा के लिए चीचड़ ज्वर का टीका लगाने की व्यवस्था करनी चाहिए। यह टीका जाँघ या छाती में लगाया जाता है। 2

19. दूध सप्लाई करने से पहले गर्म करके भारी दबाव से गुजारते हैं। जिससे चिकनाई के कण अति सूक्ष्म आकार के हो जाते हैं और दूध में लसलसापन आ जाता है और दूध में चिकनाई कम होने पर भी अधिक चिकनाई जैसा लगता है। 3

20. (i) गर्भित पशुओं को अधिक पौष्टिक आहार की जरूरत होती है। चारा हरा और रसीला होना चाहिए।

(ii) उदारता एवं प्रेम पूर्वक व्यवहार करना चाहिए।

(iii) ब्याने से पहले दो-तीन सप्ताह पहले उन्हें अन्य पशुओं से अलग रखना चाहिए। साफ और स्वच्छ स्थान पर घास पुआल का बिछौना और उन्हें किसी प्रकार का शारीरिक और मानसिक आघात नहीं पहुँचाना चाहिए। $1 \times 3 = 3$

21. (i) फर्श पर बिखेर कर आहार नहीं खिलाना चाहिए। बर्तनों के पानी को बीट से सुरक्षित रखना चाहिए। ज्यादा पक्षी एक साथ नहीं रखने चाहिए।

(ii) आहार में विटामिन A बढ़ा देना चाहिए। आधा ग्राम फीनोथायजीन देने से कीड़े मर जाते हैं।

(iii) पिपराजीन एडीफेट या साइट्रेट आधी ग्राम देने से गोल कृमि समाप्त हो जाते हैं। $1 \times 3 = 3$

22. (i) त्वचा पर सलेटी भूरे रंग के चिन्ह तथा छाले उभरते हैं और बड़े होने के बाद सूखने पर खुरंड की तरह जमकर अन्त में गिर जाते हैं। त्वचा, सिर, आँखों, जाँघों, गले में दाने हो सकते हैं।

(ii) शुरू में दो दिन बुखार रहता हैं

(iii) मुर्गियों की अण्डा देने की क्षमता/शक्ति कम हो जाती है। उनकी हालत गिरी-गिरी सी रहती है तथा उदासी छाई रहती है। $1 \times 3 = 3$

23. दुग्ध उत्पादन पशु के खाने पीने पर निर्भर करता है। यदि सन्तुलित आहार मिले तो दूध उत्पादन 50% तक बढ़ जाता है। अधिक से अधिक हरा चारा खिलाएँ। हरे चारे से पोषक तत्व पशु को आसानी से मिल जाते हैं। एक औसतन दूध देने वाली गाय को 20-25 किलोग्राम हरा चारा, 4-5 किलोग्राम सूखा चारा और थोड़ा दाना अच्छा रहता है। 3

24. (i) पशु को तेज बुखार (106-107°F), तेज़ श्वास क्रिया का चलना,

(ii) नाक, मुँह, गुदा, मार्ग से रक्त प्रवाह जारी हो जाता है।

(iii) एकाएक मृत्यु का होना।

(iv) सूजन, रक्त युक्त दस्त, पशु दर्द से बेचैन, निष्चेष्ट होकर मर जाता है।

(v) रक्त युक्त दस्त, पशु की गुदा बाहर आ जाता है।

(vi) पशु की मृत्यु हो जाती है। $\frac{1}{2} \times 6 = 3$

25. See Page No. 33 पशु विज्ञान (भाग - 2) दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए पाठ्यपुस्तक। 5

OR

See Page No. 163-164 पशु विज्ञान (भाग - 2) दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए पाठ्यपुस्तक। 5

26. See Page No. 19-20 पशु विज्ञान (भाग - 2) दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए पाठ्यपुस्तक। 5

OR

See Page No. 44 पशु विज्ञान (भाग - 2) दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए पाठ्यपुस्तक। 5

27. See Page No. 77 पशु विज्ञान (भाग - 2) दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए पाठ्यपुस्तक। 5